مـــدرسـتـنــا الـثـــانـــويــــة الإنـجـلـــيـزيــة، الـشـارقــة

OUR OWN ENGLISH HIGH SCHOOL, SHARJAH
GIRLS'

GEMS EDUCATION

CURRICULUM FOR HINDI AS A SECOND LANGUAGE PRIMARY SCHOOL-2023-24

VISION

भाषा

भाषा वह साधन है जिसके द्वारा हम अपने विचारों को व्यक्त कर सकते हैं और इसके लिये हम वाचिक ध्वनियों का प्रयोग करते हैं।

A language is a structured system of communication. Languages are the primary means of communication of humans, and can be conveyed through speech, sign, or writing.

अनुक्रमणिका –

- प्रस्तावना
- उददेश्य
- पाठ्य–सामग्री
- शिक्षण युक्तियाँ
- परीक्षामूल्यांकन

प्राथमिक कक्षा स्तर

ज्ञान का विस्तार

भाषा एक औजार है जिसका इस्तेमाल हम ज़िंदगी को समझने के लिए, उससे जुड़ने के लिए और जीवन–जगत को प्रस्तुत करने के लिए करते हैं। यह सब करने के लिए जाँच–पड़ताल, तर्क, संप्रेषण जैसे कौशलों की जरूरत होती है। इसके साथ–साथ भाषा यानी बहुभाषिकता हमारी पहचान भी है और हमारी सभ्यता व सस्कृति का अभिन्न अंग भी। इसलिए यह आवश्यक है कि हिंदी सीखने– सिखाने का दायरा इतना व्यापक हो कि भाषा के इन उपयोगों से उसका नाता न टूटे। इससे आगे बढ़ें तो हम पाएँगे कि भाषा हमें अपने परिवेश में कई रूपों में बिखरी मिलती है, जैसे– अखबार, साइनबोर्ड, पोस्टर, विज्ञापन आदि। इसके अतिरिक्त भाषा अपने साहित्यिक रूप में भी उपलब्ध होती है। ऐसे में हमारा प्रयास यह होना चाहिए कि स्कूल के दस–बारह वर्षों के दौरान विद्यार्थियों में हिंदी के व्यापक और विविध स्वरूप की गहरी समझ विकसित हो जाए। इस स्तर पर हिंदीतर मातृभाषा वाले छात्रों को हिंदी के रूप में एक ऐसा साथी मिलना चाहिए जो उनके अपने सास्कृतिक परिवेश के साथ सहज संबंध बनाते हुए उनके भीतर अपरिचित के प्रति स्नेह पूर्ण उपस्थिति पैदा कर सके ।

प्रस्तावना

स्कूली शिक्षा पूरी होने तक विद्यार्थी का भाषा–बोध और साहित्य–बोध इस सीमा तक विकसित हो जाए कि उसमें किसी रचना के बारे में स्वतंत्र राय बनाने का आत्मविश्वास पैदा हो सके। वह पाठ्यपुस्तकों की परिधि के बाहर भी किसी रचना से जुड़कर उस पर भावनात्मक और बौद्धिक प्रतिक्रिया कर सके। वह तरह–तरह के औपचारिक व अनौपचारिक विषय क्षेत्रों में प्रयुक्त होने वाली भाषा के रूपों से परिचित हो और उसका प्रयोग कर सके। वह संदर्भ और आवश्यकता के अनुसार विभिन्न किस्म की शैलियों से परिचित हो सके। विद्यार्थियों को भाषा की ताकत का अहसास हो। वह इस बात को समझे कि भाषा के माध्यम से हम केवल संप्रेषण ही नहीं करते, बल्कि जो हम सोचते और महसूस करते हैं उसे सुंदर, प्रभावशाली व्यंजनात्मक और पैने ढंग से अभिव्यक्त करने के लिए भाषा एक सशक्त साधन है। विद्यार्थी हिंदी की बारीकी और सुंदरता को परख सके। उसे यह ज्ञान हो कि हिंदी के माध्यम से यथार्थ और काल्पनिक दुनिया की रचना की जा सकती है। भाषा के माध्यम से विद्यार्थी का

ज्ञानक्षेत्र इतना विस्तृत हो कि वह राष्ट्रीय समाचारपत्रों और पत्रिकाओं की परिधि में आने वाले व्यक्ति, परिवेश और समाज से जुड़े मुद्दों की सामान्य जानकारी रख सके।

उद्देश्य

दस–बारह वर्ष तक स्कूल में हिंदी पढ़ने के बाद हिंदी पर विद्यार्थियों पर टिप्पणी कर पाएँ। वे आवश्यकता और उद्देश्यों के अनुसार किसी किताब, लेख आदि में से उपयुक्त सामग्री इकट्ठा करके उसका सटीक उपयोग कर सकें। वे रेडियो–टेलीविज़न पर हिंदी में प्रसारित होने वाली औपचारिक परिचर्चाओं व भाषणों को सुनकर समझ सकें।

बच्चों की भाषा में इस बात के पर्याप्त संकेत मिलते हैं कि वे अपनी भाषा का व्याकरण अच्छी तरह जानते हैं। पर व्याकरण की सचेत समझ बनाने के लिए यह आवश्यक है कि बच्चों को उसके विभिन्न पक्षों की पहचान विविध पाठों के संदर्भ में और आसपास के परिवेश से जोड़कर कराई जाए। व्याकरण की अवधारणाओं की अमूर्त परिभाषाएँ याद करने से ज्यादा महत्वपूर्ण है उन्हें वास्तविक संदर्भों में समझना है। इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए पाठ्यपुस्तकों के अभ्यास। प्रश्न और कक्षा में शिक्षक द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली व्यावहारिक गतिविधियाँ और युक्तियाँ महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। व्याकरण के पक्षों की समझ चरणबद्ध क्रम में विकसित की जा सकती है : पहला चरण पहचान का है और दूसरा चरण प्रयोग का है।

पाठ्य सामग्री

पाठ्यक्रम में कक्षानुसार व्याकरण के कुछ बिंदु दिए गए हैं। इन बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए पाठ्यपुस्तक निर्माता और शिक्षक पाठ में सहज रूप से उभरकर आने वाले व्याकरण संबंधी और भाषा की बारीकी व सुंदरता संबंधी अन्य पक्षों को क्रमशः समझने और सराहने में छात्र–छात्राओं की सहायता करें। एक कक्षा में चर्चित बिंदुओं की चर्चा दूसरी कक्षाओं में भी जारी रह सकती हैं। ऊपर की पंक्तियों में चर्चित उदाहरणों के अलावा कई गतिविधियों और युक्तियों को भी प्रयोग में लाया जा सकता है, जैसे– क्लोज टेस्ट, शब्द–कड़ी, अंत्याक्षरी आदि।

बच्चे के व्यक्तित्व निर्माण में मातृभाषा का महत्वपूर्ण योगदान है। मातृभाषा बच्चा अपने माता–पिता एवं अन्य परिजनों से सुनकर अनायास ही अनुकरण द्वारा सीख लेता है और उससे उसका सहज संबंध स्थापित हो जाता है। प्रत्येक बच्चे के दृष्टिकोण,

उसकी रुचियों, क्षमताओं यहाँ तक कि मूल्यों और मनोवृत्तियों को भी आकार देती है। भाषा सोचने, महसूस करने और चीजों से जुड़ने का एक उत्तम साधन है। भाषा ही बच्चे को समझदार, विचारवान, सभ्य और शिक्षित बनाती है। मातृभाषा में ही बच्चे का मस्तिष्क सबसे पहले क्रियाशील होता है। अतः मातृभाषा बच्चे की पहली उपलब्धि और सहायिका है। यही कारण है कि सभी शिक्षाशास्त्री एकमत हैं कि प्राथमिक स्तर की शिक्षा में संप्रेषण का माध्यम मातृभाषा ही होना चाहिए। इसके लाभ शोध द्वारा स्थापित किए जा चुके हैं।

विद्यालय बच्चों के लिए ऐसा स्थान है जो कई दृष्टियों से घर से भिन्न है। विद्यालय के अपने नियम–कायदे हैं। बच्चे कुछ घंटों के लिए अपने परिवार से दूर हो जाते हैं। परंतु बच्चे अपने साथ बहुत 13 प्रारंभिक कक्षाओं वेफ लिए पाठ्यक्रम कुछ लेकर विद्यालय आते हैं – अपनी भाषा, अपने अनुभव एवं दुनिया को देखने का अपना दृष्टिकोण आदि। इन्हीं सबका उपयोग करते हुए शिक्षक को बच्चों से आत्मीय संबंध बनाना पड़ता है ताकि विद्यालय के नवीन परिवेश में बच्चे अपनापन अनुभव करें। बच्चों के घर की भाषा और विद्यालय की भाषा के बीच के संबंध को उसकी विविधता एवं लचीलेपन के साथ देखना अत्यंत आवश्यक है। प्रत्येक बच्चे की भाषा अपने आप में पूर्ण होती है इसलिए उसे किसी मापदंड पर आँकना उचित नहीं है। बच्चे घर–परिवार एवं परिवेश से प्राप्त बोलचाल की भाषा के अनुभवों को लेकर ही विद्यालय आते हैं। पहली बार स्कूल में आने वाला बच्चा शब्दों के अर्थ और उनके प्रभाव से परिचित होता है। लिपिबद्ध चिह्न और उनसे जुड़ी ध्वनियाँ बच्चों के लिए अमूर्त हैं, इसलिए पने की जिज्ञासा उत्पन्न होती है। भाषा शिक्षण की इस प्रक्रिया के मूल में बच्चों के बारे में यह अवधारणा है कि बच्चे दुनिया के बारे में अपनी समझ और ज्ञान का निर्माण स्वयं करते हैं। यह निर्माण किसी के सिखाए जाने या जोर जबरदस्ती से नहीं बल्कि बच्चों के स्वयं के अनुभवों और आवश्यकताओं से होता है। इसलिए बच्चों को ऐसा वातावरण मिलना जरूरी है जहाँ वे बिना किसी रोक–टोक के अपनी उत्सुकता के अनुसार अपने परिवेश की खोज–बीन कर सकें।

शिक्षण युक्तियाँ

पहली और दूसरी कक्षा में एक–एक पाठ्यपुस्तक निर्धारित की जाएगी। इन पाठ्यपुस्तकों में ही पर्याप्त अभ्यास कार्य शामिल होगा। रचनाओं के चयन में इन बातों का ध्यान रखा जाएगा कि वे रोचक और बच्चों के अपने परिवेश से जुड़ी हुई हों। उनमें पर्यावरण संबंधी ज्ञान और चिंता समाहित हो। वे लिंग समानता, शांति और

स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता विकसित करने वाली हों। कार्य और श्रम के प्रति निष्ठा उत्पन्न करने वाली हों, और कलात्मक दृष्टि निर्मित करने और मूल्य चेतना जगाने में सहायक हों। प्राथमिक स्तर के लिए अध्यापकों को संबोधित एक पुस्तक का निर्माण भी किया जा सकता है जिसमें कक्षा में उचित वातावरण निर्माण, विभिन्न भाषायी परिवेश से आए बच्चों से सहज संबंध, विभिन्न भाषाई कौशलों का विकास, पाठ्यसामग्री के उचित उपयोग, विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों के लिए शिक्षण युक्तियाँ एवं दृश्य श्रव्य सामग्री के उचित उपयोग एवं मूल्यांकन आदि पर चर्चा होगी।

बच्चों को ध्यान में रखकर आवश्यक दृश्य–श्रव्य सामग्री का निर्माण किया जा सकता है।

• बच्चों की मौलिकता एवं सहज रचनाशक्ति को सामने लाने का शिक्षक का प्रयास भाषा शिक्षण की प्राथमिकता होती है।

• कक्षा में सहज आत्मीय वातावरण निर्मित करने के लिए बच्चों से उनके घर, परिवेश, पसंद–नापसंद, संगी–साथियों के बारे में बातचीत करनी चाहिए ताकि उनकी झिझक खुल सके।

• कक्षा एवं स्कूल में उपलब्ध स्थान का उपयोग अध्यापक को इस प्रकार करना चाहिए कि वह बच्चों के भाषायी विकास के अनुकूल वातावरण निर्मित कर सके।

• कक्षा में दीवारों पर बच्चों द्वारा निर्मित एवं एकत्रित चित्रों एवं रचनाओं तथा शिक्षक द्वारा एकत्रित चित्रों एवं रचनाओं को इस प्रकार लगाना चाहिए कि बच्चे उसे सरलता से देख सकें। चित्र वार्तालाप एवं लेखन की गतिविधियों के लिए उपयोगी होते हैं।

• कक्षा में भाषा की विविधता के प्रति संवेदनशील बनकर उसका उपयोग भाषा शिक्षण में करना चाहिए। मसलन– भोजपुरी, अवधी, संथाली के शब्दों, मुहावरों, अभिव्यक्तियों का खुलकर प्रयोग करने का अवसर बच्चों को मिलना चाहिए।

• शिक्षण प्रक्रिया को रुचिकर एवं वैविध्यपूर्ण बनाने के लिए शिक्षण सामग्री विविध स्रोतों से एकत्रित की जानी चाहिए, जैसे– श्रव्य–दृश्य सामग्री, चार्ट, फ्लैश कार्ड्स, पत्र–पत्रिकाओं से कतरनें आदि।

• चित्र दिखाकर बच्चों से कहानी सुनाने के लिए कहा जा सकता है।

• कहानी सुनाकर बच्चों से सुनी गई कहानी को अपने शब्दों में सुनाने के लिए कह सकते हैं।

• गीत एवं कविता की प्रस्तुति उचित लय एवं हाव–भाव के साथ होनी चाहिए।

• बच्चों में रेखांकन और चित्रांकन के माध्यम से लेखन कौशल का विकास किया जा सकता है।

• चित्र बनाकर उस चित्र के आधार पर बच्चों से चार–पाँच वाक्य लिखने को कहा जा सकता है।

• शिक्षण प्रक्रिया में समग्रतावादी दृष्टिकोण अपनाया जाना चाहिए।

• विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए उपयुक्त शिक्षण सामग्री का इस्तेमाल किया जाए।

परीक्षामूल्यांकन

मूल्यांकन का उद्देश्य बच्चों की सीखने की क्षमता का आकलन करना है और सीखने की कठिनाइयों तथा बच्चों की समस्याओं को पहचानना है। विद्यार्थी विशेष की समस्या को पहचान कर उसके अनुसार शिक्षण विधि में सुधार मूल्यांकन का एक महत्वपूर्ण अंग है। पहली और दूसरी कक्षा के बच्चों का मूल्यांकन पूर्णतया अनौपचारिक एवं अप्रत्यक्ष होना चाहिए तथा मूल्यांकन की प्रक्रिया सतत् एवं व्यापक। इस बात का भी ध्यान रखा जाना चाहिए कि मूल्यांकन निष्पक्ष, न्यायपूर्ण और दायित्वपूर्ण हो। बच्चों की मौलिकता, कल्पनाशीलता, सृजनशीलता के आंकलन के पर्याप्त अवसर हों।

कक्षा में शिक्षक इस बात का प्रयास करें कि प्रत्येक गतिविधि में बच्चे की सहभागिता हो। जाँच की प्रक्रिया का प्रारंभ एक सतर्क अवलोकन के माध्यम से किया जाना चाहिए जिससे यह पता चल सके कि वह क्या जानते हैं और उन्हें क्या जानने की जरूरत है। शिक्षक उनकी प्रत्येक गतिविधि का निरीक्षण करें, केवल सुनने, बोलने, पढ़ने और लिखने का ही नहीं।

विशेष आवश्यकता वाले बच्चों का मूल्यांकन उनकी क्षमता और सीमाओं को ध्यान में रखकर किया जाए। इस स्तर पर किसी भी रूप में मौखिक और लिखित औपचारिक परीक्षा न ली जाए।

तीसरी कक्षा तक आते–आते बच्चे स्कूल से परिचित हो जाते हैं और वहाँ के वातावरण में घुलमिल जाते हैं। स्कूल का वातावरण और दूसरे बच्चों का साथ उन्हें हिंदी भाषा में निहित स्थानीय, ऐतिहासिक, सांस्कृतिक विविधताओं से परिचित कराता है। अतिरिक्त वे अन्य भाषाओं के प्रति संवेदनशील भी हो जाते हैं। इस स्तर पर बच्चों की भाषा से जुड़े कौशलों की प्रकृति में गुणात्मक बदलाव आएगा। उनमें स्वतंत्र रूप से पढ़ने की आदत विकसित होगी। पढी हुई सामग्री से वे संज्ञानात्मक और भावनात्मक स्तर पर जुड़ेंगे और उसके बारे में स्वतंत्र और मौलिक विचार व्यक्त कर सकेंगे।

यहाँ तक आते–आते लिखना एक प्रक्रिया के रूप में प्रारंभ हो जाता है

और वह अपने विचारों को व्यवस्थित ढंग से लिखने लगते हैं।

1. बच्चों में पुस्तकों के प्रति रुचि जागृत करना –
   - पाठ्यपुस्तक की विधाओं से परिचित होना और उससे प्रेरित हो कर उन विधाओं की अन्य पुस्तकें पढ़ना।
   - मुख्य बिंदु/विचार को ढूँढ़ने के लिए विषय–सामग्री की बारीकी से जाँच करना।
   - विषय सामग्री के माध्यम से नए शब्दों का अर्थ जानने की कोशिश करना।
2. पूर्व अर्जित भाषायी कौशलों का उत्तरोत्तर विकास करना
   - दूसरे के विचारों को सुनकर समझना और अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त कर सकना।
   - दूसरों के विचारों को पने की योग्यता का विकास करना।
   - पठन के द्वारा ज्ञानार्जन एवं आनंद प्राप्ति में समर्थ बनाना।
   - अध्ययन की कुशलता का विकास करना।
   - स्वतंत्रता और आत्मविश्वास के साथ लिख पाना।
   - मनपसंद विषय का चुनाव कर लिख सकना।
   - विषयवस्तु और विचारों के प्रस्तुतीकरण में लेखन की तकनीक का विकास करना।
   - दूसरों की अभिव्यक्ति को सुनकर उचित गति से शब्दों एवं वाक्यों को लिख सकना।
3. भाषा को अपने परिवेश और अपने अनुभवों को समझने का माध्यम मानना और उसका सार्थक उपयोग कर सकना।
   - कक्षा में बच्चों को बहुभाषिक और बहुसांस्कृतिक संदर्भों से जोड़ना।

- बच्चों की कल्पनाशीलता और सृजनात्मकता को विकसित करना।
- भाषा के सौंदर्य की सराहना करने की योग्यता का विकास करना।

प्रत्येक कक्षा (3 4 5) के लिए एक–एक पाठ्यपुस्तक निर्धारित की जाएगी। इन पाठ्यपुस्तकों में ही पर्याप्त अभ्यास कार्य शामिल होगा। पुस्तकों की विषय–सामग्री उद्देश्यों और शैक्षिक क्रियाकलापों पर आधारित होगी। सामग्री का चयन कक्षा 1 और 2 में विकसित हुए भाषायी कौशल और विषयों को ध्यान में रखकर किया जाएगा। कक्षा 3 4 और 5 के बच्चों को अतिरिक्त पठन के लिए भी प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

कक्षा एक और दो के लिए सुझाई गई युक्तियों के साथ ही निम्नलिखित क्रियाकलापों का आयोजन भाषा शिक्षण के लिए किया जा सकता है –

- बच्चों की रुचि के अनुसार परिचित विषय या प्रसंग पर चर्चा।
- कहानी, वर्णन, विवरण आदि पर प्रश्न पूछने और उत्तर देने को प्रोत्साहित करें।
- भाषण, वाद–विवाद, कविता पाठ, अभिनय आदि का आयोजन कराया जाए।
- कहानी, नाटक के पात्रों का अभिनय कराया जाए।
- सरल एवं परिचित विषयों पर वाक्य, अनुच्छेद लेखन।
- अनुभव पर आधारित घटना का विवरण लेखन।
- अनौपचारिक एवं औपचारिक पत्र लेखन।
- वर्ग–पहेली भरवाना।
- चित्र दिखाकर उस पर आधारित कविता, कहानी लेखन।
- अधूरी कहानी को पूरी कर सुनाने तथा लिखने को कहा जा सकता है।
- पुस्तकालय समृद्ध करने हेतु प्रयास।

Hindi Primary progression

2023-24

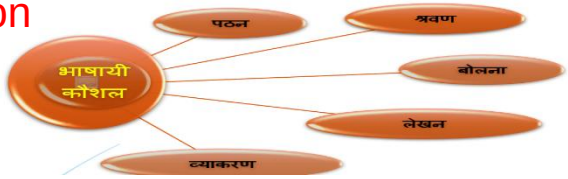

	GRADE 1	GRADE 2	GRADE 3	GRADE 4	GRADE 5
पठन Reading	✓स्वर और व्यंजन की भली भांति पहचान कर सकेंगे ।	➢अध्यापिका द्वारा मात्रा का सही ज्ञान प्राप्त करके छात्र कक्षा में पाठ पढ़ने में सक्षम होंगे।	❖विद्यार्थी सरल अनुच्छेद , अपठित गद्यांश और पद्यांश पढ़ने तथा उसे समझकर उत्तर देने में योग्य हो सकेंगे।	❖ पाठ्य पुस्तक की कविताएँ, पाठ, अनुच्छेद आदि उचित विराम चिह्नों के नियमों के अनुसार पढ़ने में सक्षम होंगी।	❖ पाठ्य पुस्तक की कविताएँ, पाठ, अनुच्छेद, अपठित गद्यांश और कहानी आदि उचित विराम चिह्नों के नियमों के अनुसार पढ़ने में सक्षम होंगी।
	✓किसी भी वस्तु तथा शब्दों की आरंभिक ध्वनि को समझकर बोल सकेंगे।	➢छात्र प्रतिदिन उपयोग होने वाली वस्तुओं को देखकर उनका सही उच्चारण कर नए शब्दों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।	पाठ्य पुस्तिका के पाठ तथा कविता को भावों और तालमेल के साथ पढ़ने में सक्षम होंगे।	❖सड़क पर दिए गए बोर्ड संकेत ,समाचार पत्र, पत्रिकाएँ, विज्ञापन आदि पढ़ने में समर्थ होंगी।	❖सड़क पर दिए गए बोर्ड संकेत ,समाचार पत्र, पत्रिकाएँ, विज्ञापन आदि पढ़ने में समर्थ होंगी।
	✓शब्दों के साथ चित्रों का मिलान करने योग्य हो सकेंगे।	छात्र शब्दों और पदों को प्रवाह के साथ पढ़ सकेंगे।	छात्र संयुक्त अरब इमारात के बारे में पाँच वाक्य बोलने में सक्षम होंगे।	वे पठित और अपठित गद्यांश पढ़कर उत्तर दे सकेंगी।	वे पठित और अपठित गद्यांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दे सकेंगी।
	✓अमात्रिक शब्द तथा वाक्य पढ़ने में सक्षम हो सकेंगे।				
	✓दिए गए व्यंजन से शब्द बनाने का प्रयास करेंगे।				
	शब्दों की सहायता से छात्र अक्षर की ध्वनि समझने मे सक्षम होंगे।	सरल शब्दों और वाक्यों को अर्थ ग्रहण करते हुए पढ़ सकेंगे।			

Page 1

	GRADE 1	GRADE 2	GRADE 3	GRADE 4	GRADE 5
श्रवण Listening	✓स्वर तथा व्यंजन की ध्वनियों का सही उच्चारण कर सकेंगे।	➢छात्र कहानियाँ सुनकर तथा कविता गुनगुनाकर याद कर सकेंगे तथा सरल प्रश्नों के उत्तर दे सकेंगे।	• छात्र कहानियों तथा कविताओं पर आधारित सरल प्रश्नों के उत्तर समझकर बोल सकेंगे।	❖छात्राएँ सुनी हुई कहानी को समझकर उनके उत्तर देने योग्य होंगी।	❖छात्राएँ सुनी हुई कहानी को समझकर उनके उत्तर देने योग्य होंगी।
	✓नए शब्दों की पुनरावृत्ति कर सकेंगे।	➢अध्यापिका द्वारा छात्रों को सही मात्राओं का ज्ञान होने से नए शब्दों का सही उच्चारण कर आपस में वार्तालाप करने में सक्षम होंगे।	• बच्चे अध्यापिका द्वारा सुनाई गई यू.ए.ई की पुरानी कहानियों पर तथा कहानी के प्रमुख पात्रों पर भी चर्चा कर सकेंगे।	❖कहानियाँ सुनकर उनका सारांश सरल हिन्दी भाषा में बता सकेंगी।	❖कहानियाँ सुनकर उनका सारांश और उनका शीर्षक हिन्दी भाषा में बता सकेंगी।
	✓रंगो, जानवरों , फलों, सब्जियों आदि पर आधारित छोटी कविताएँ सुनाई जाएँगी । यू.ए.ई के झंडे के रंगों के बारे में चर्चा की जाएगी।	छात्र संयुक्त अरब इमारात की संस्कृति और सभ्यता के बारे में दिखाए गए चित्रों के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दे सकेंगे।	• छात्र हिन्दी की कक्षा में केवल हिन्दी भाषा बोलने का प्रयास करेंगे।	❖ अध्यापिका द्वारा पूछे गए पठित एवं अपठित विषयों से संबंधित प्रश्नों तथा निर्देशों को समझने में सक्षम होंगी। छोटे बच्चे बड़े बनेंगे , बापू की सीख, तेनालीराम के किस्से, लिंकन की दाड़ी आदि कहानियाँ छात्राओं को सुनाई जाएँगी।	❖ अध्यापिका द्वारा पूछे गए पठित एवं अपठित विषयों से संबंधित प्रश्नों तथा निर्देशों को समझने में सक्षम होंगी। तेनालीराम के किस्से, बीरबल के किस्से आदि कहानियाँ छात्राओं को सुनाई जाएँगी। कक्षा में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर देने में सक्षम होंगी।
			छात्र अरब राज्यों के एतिहासिक स्थलों की जानकारी प्राप्त करेंगे।	हिन्दी की कक्षा में केवल हिन्दी भाषा का ही प्रयोग करेंगी। छात्राएँ संयुक्त अरब के प्रसिद्ध जगहों के चित्रों को देखकर प्रश्नों के उत्तर दे सकेंगी।	हिन्दी की कक्षा में केवल हिन्दी भाषा का ही प्रयोग करेंगी। छात्राएँ संयुक्त अरब के प्रसिद्ध जगहों के चित्रों को देखकर गद्यांश लिखने में सक्षम हो सकेंगी।

Page 2

बोलना SPEAKING	GRADE 1	GRADE 2	GRADE 3	GRADE 4	GRADE 5
	✓स्वर्णिम शब्दों का शुद्ध उच्चारण करने का प्रयास करेंगे।	➢अध्यापिका द्वारा दिए गए विषय के आधार पर पाँच वाक्य बोलने में छात्र समक्ष होंगे। जैसे – मेरा विद्यालय,मेरा भारत आदि।	• बच्चे कहानियाँ सुनकर कम से कम एक वाक्य में उत्तर देने में सक्षम होंगे।	❖छात्राएँ कहानियाँ सुनकर उनके प्रश्नों के उत्तर हिन्दी भाषा में देने योग्य होंगी।	❖छात्राएँ कहानियाँ सुनकर उन्हें अपने शब्दों में बोलने के योग्य होंगी।
	✓सामान्य अभिवादन वाले शब्द विनम्र अभिव्यक्ति के साथ बोल सकेंगे।	➢छात्र अपना परिचय स्वयं दे सकेंगे।	विद्यार्थी सरल विषय जैसे मेरा प्रिय मौसम पेड़ हमारे मित्रए पालतू जानवर जैसे ऊँट, बकरी, गाय आदि पर कम से कम पाँच वाक्य बोलने योग्य होंगे।		
	✓अपना परिचय छोटे और सरल वाक्यों में देने योग्य होंगे।	➢छात्र कविता स्वर और लय के साथ सीखकर सुनाएँगे।	• छात्र व्याकरण के विषय जैसे संज्ञा , सर्वनाम , विशेषण , लिंग , वचन आदि शब्दों की पहचान करके बोलचाल की भाषा में उनका उचित प्रयोग कर सकेंगे।	दिए गए विषयों के आधार पर कम से कम पाँच से आठ वाक्य बोल सकेंगी। जैसे अपना परिचय मेरा प्रिय खेल, हमारे राष्ट्रीय त्यौहार आदि।	दिए गए विषयों के आधार पर कम से कम पाँच से आठ वाक्य बोल सकेंगी। जैसे अपना परिचय, कक्षा में मेरा पहला दिन, एकता में बल , पुस्तकें हमारी मित्र आदि।
	✓छात्र कोई भी वस्तु देखकर उसके पिषय में अपने विचार व्यक्त कर सकेंगे।		• बच्चे महान नेताओं, त्योहारों तथा सुंदर दृश्यों के चित्र देखकर कम से कम चार –पाँच वाक्य बोल सकेंगे। छात्र संयुक्त अरब इमारात के राष्ट्रीय चिन्हों के विषय में चर्चा करेंगे।	❖व्याकरण संबंधित विषय जैसे संज्ञा, सर्वनाम, वर्णविच्छेद, लिंग, वचन, विशेषण, मुहावरे आदि की जानकारी प्राप्त करेंगी तथा उनका सही प्रयोग दैनिक जीवन में कर सकेंगी।	❖व्याकरण संबंधित विषय जैसे संज्ञा, सर्वनाम, वर्णविच्छेद, लिंग, वचन, विशेषण, मुहावरे और विराम चिह्न आदि की जानकारी प्राप्त करेंगी तथा उनका सही प्रयोग दैनिक जीवन में कर सकेंगी।
	✓छात्र कोई भी वस्तु देखकर उसके बारे में अधिक जानकारी देने की कोशिश करेंगे।	छात्र संयुक्त अरब इमारात के एतिहासिक स्थलों और उनके राष्ट्रीय प्रतीकों के चित्रों को पहचान करेंगे।		❖ दिए गए विषयों पर नाटक, बात–चीत, वाद–विवाद आदि करने की कोशिश करेंगी। छात्र संयुक्त अरब के राजाओं के नाम और उनके रहन– सहन के बारे में बोलने में सक्षम होंगें ।	❖ दिए गए विषयों पर नाटक, बात–चीत, वाद–विवाद आदि करने की कोशिश करेंगी। छात्राएँ संयुक्त अरब के खेल क्लब आदि के बारे में बोलने में सक्षम होंगी।

Page 3

लेखन WRITING	GRADE 1	GRADE 2	GRADE 3	GRADE 4	GRADE 5
	✓पेंसिल की सहज और कुशल पकड़ का प्रयोग कर सही गठन के साथ शब्द तथा अक्षर लिखने का प्रयास करेंगे।	➢छात्र स्वर और व्यंजन क्रमबद्ध रूप से लिखेंगे।	• छात्र सरल तथा दैनिक जीवन में प्रयोग होने वाले शब्दों द्वारा वाक्य बनाना सीखेंगे।	⬩ पाठ्य पुस्तक के प्रश्नों के उत्तर एवं अभ्यास कार्य कर सकेंगी।	⬩ पाठ्य पुस्तक के लघु और दीर्घ प्रश्नों के उत्तर एवं अभ्यास कार्य कर सकेंगी।
	✓छात्र स्वतंत्र रूप से अमात्रिक शब्द लिख सकेंगे ।	➢व्यंजनों के साथ स्वरों की सही मात्रा का शब्द लिखने में सक्षम होंगे तथा उनसे वाक्य बना सकेंगे।	• दिए गए शब्दों को देखकर मिलते जुलते शब्द बनाना और लिखना सीखेंगे।	वर्ग पहेलियाँ, शब्दों को जोड़कर नए शब्द बनाना, वाक्यांश के लिए एक शब्द लिखना आदि द्वारा छात्राओं के शब्द –भण्डार में वृद्धि होगी।	वर्ग पहेलियाँ, गद्यांश और चित्र वर्णन , विज्ञापन से छात्राओं के शब्द –भण्डार में वृद्धि होगी।
	✓छात्र वाक्य में उचित स्थान पर पूर्ण विराम लगाना सीखेंगे।	छात्र मात्राओं का उच्चारण सुनकर श्रुतलेख लिखेंगे।	• व्याकरण संबंधित विषय को समझकर तथा पहचानकर वाक्यों में शब्द रेखांकित करना तथा उनका उचित प्रयोग करना सीखेंगे।	⬩छात्राएँ चित्र तथा कहानियों के चल चित्र को देखकर अपनी सरल भाषा में कम से कम दस वाक्य लिख सकेंगी। अपठित गद्यांश तथा पद्यांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर देने में सक्षम होंगे।	⬩छात्राएँ चित्र तथा कहानियों के चल चित्र को देखकर अपनी सरल भाषा में कम से कम दस वाक्य लिख सकेंगी। अपठित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर देने में सक्षम होंगी।
	✓किसी भी वस्तु तथा शब्दों की आरंभिक ध्वनि को समझ और बोल सकेंगे।	अक्षरों की बनावट सीखने के लिए छात्रों से सुलेख भी लिखवाया जाएगा।	• अपठित गद्यांश तथा पद्यांश पढ़कर एक वाक्य में प्रश्नों के उत्तर देने में सक्षम होंगे।	⬩सहायक –शब्दों द्वारा चित्र वर्णन करने में सक्षम होंगी।	⬩सहायक –शब्दों द्वारा चित्र वर्णन करने में सक्षम होंगी।
	✓शब्दों के साथ चित्रों का मिलान करने योग्य हो सकेंगें।	छात्र संयुक्त अरब इमारात के राष्ट्रीय प्रतीकों और स्थलों के नाम लिखने में सक्षम होंगे	• संयुक्त अरब इमारात के राष्ट्रीय प्रतीकों और स्थलों के चित्र तथा चलचित्र को देखकर 4–5 वाक्य लिख सकेंगे।	⬩दिए गए विषयों पर जैसे पाँच से आठ वाक्यों में अनुच्छेद लिखने में सक्षम होंगी ।	दिए गए विषयों पर जैसे पाँच से आठ वाक्यों में अनुच्छेद लिखने में सक्षम होंगी।
	✓अमात्रिक शब्द तथा वाक्य पढ़ने में सक्षम हो सकेंगें।		• दिए गए विषयों जैसे महान नेताओं, त्योहारों पर कुछ वाक्य लिख सकेंगे।	⬩पाठ में प्रयुक्त शब्दों के अर्थ, पर्यायवाची , विलोम, लिंग, वचन आदि लिख सकेंगी।	⬩पाठ में प्रयुक्त शब्दों के अर्थ, पर्यायवाची , विलोम, लिंग, वचन आदि लिख सकेंगी।
			• पाठ में आए शब्दों के विलोम शब्द, पर्यायवाची शब्द तथा अर्थ लिखने का प्रयास करेंगे।	छात्र संयुक्त अरब इमारात से संबंधित दिए गए विषयों पर अनुच्छेद लिखनें में सक्षम होंगे।	छात्राएँ संयुक्त अरब इमारात से संबंधित दिए गए विषयों पर अनुच्छेद लिखने में सक्षम होंगी।

Page 4

	GRADE 1	GRADE 2	GRADE 3	GRADE 4	GRADE 5
GRAMMAR व्याकरण	चित्र वर्णन – मौखिक	चित्र वर्णन	चित्र वर्णन	चित्र वर्णन	चित्र वर्णन
	अपठित गद्यांश– मौखिक	अपठित गद्यांश	अपठित गद्यांश	अपठित गद्यांश	अपठित गद्यांश
	अनुच्छेद – मौखिक	अनुच्छेद	अनुच्छेद– – हमारे त्योहार –यदि हम गुम हो जाए तो क्या करेंगे ? – मौसम	अनुच्छेद –ईद का त्योहार ,बाज , –पेड़ हमारे रक्षक –यू.ए.ई में ज्यादा मिलने वाला फल कौन सा है और इसकी विशेषताएँ आदि।	अनुच्छेद –पेड़ों का महत्त्व, पाँचवी कक्षा में मेरा पहला दिन , पुस्तकालय के लाभ आदि।
		लिंग– प्रारंभिक परिचय	संज्ञा शब्द रेखांकित करना, वाक्यों में संज्ञा शब्द भरना, संज्ञा शब्दों के चित्र बनाना आदि।	संज्ञा – व्यक्तिवाचक, जातिवाचक, भाववाचक संज्ञा वर्णविच्छेद	संज्ञा – व्यक्तिवाचक, जातिवाचक, भाववाचक संज्ञा वर्णविच्छेद
		वचन – एकवचन , बहुवचन (मौखिक)	सर्वनाम – सर्वनाम शब्दों पर गोला लगाना गद्यांश में से सर्वनाम शब्द छाँटकर भरना खाली स्थानों में सही सर्वनाम शब्द भरना आदि ।	सर्वनाम –पुरुषवाचक ,निश्चयवाचक, अनिश्चयवाचक, प्रश्नवाचक	सर्वनाम –पुरुषवाचक ,निश्चयवाचक, अनिश्चयवाचक, प्रश्नवाचक
		विलोम शब्द	लिंग– स्त्रीलिंग, पुल्लिंग क्रिया – वाक्यों में से क्रिया शब्दों को रेखांकित करना, क्रिया शब्दों वचन – एकवचन , बहुवचन	लिंग– स्त्रीलिंग, पुल्लिंग वचन – एकवचन , बहुवचन	लिंग– स्त्रीलिंग, पुल्लिंग वचन – एकवचन , बहुवचन
				विशेषण – गुणवाचक, संख्यावाचक, परिमाणवाचक, सार्वनामिक विशेषण –बुर्ज खलीफा की तीन विशेषताएँ लिखना।	विशेषण – गुणवाचक, संख्यावाचक, परिमाणवाचक, सार्वनामिक विशेषण
				– यू. ए. ई के बारे में पाँच विशेषण शब्द लिखकर, किन्ही तीन विशेषणों को वाक्यों में प्रयोग करना।	यू. ए. ई से संबंधित विषयों जैसे मेट्रो में मेरी प्रथम यात्रा आदि पर अनुच्छेद लिखने में सक्षम होंगी।
			विशेषण – विशेषण शब्दों से खाली स्थानों को भरना, वाक्यों में से विशेषण शब्द छाँटकर लिखना, संज्ञाओं के लिए विशेषण लिखना	मुहावरे– अर्थ एवं वाक्य प्रयोग	मुहावरे– अर्थ एवं वाक्य प्रयोग
			यू. ए. ई कैं मौसम की विशेषता बताना।	पर्यायवाची शब्द	पर्यायवाची शब्द
				विलोम शब्द, अनेकार्थी शब्द	विलोम शब्द , वर्तनी शुद्ध
				पत्र लेखन– यू ए ई के रहन सहन के बारे में अपने दोस्त को पत्र लिखिए।	पत्र लेखन– औपचारिक और अनौपचारिक विषयों पर पत्र लिखने में सक्षम होंगी।

Page 5

कक्षा.1 – पाठ्य पुस्तक – सुनहरी धूप प्रवेशिका
कक्षा.2 –पाठ्य पुस्तक – सुनहरी धूप भाग–1
कक्षा.3 –पाठ्य पुस्तक –संवाद, भाग–2
व्याकरण –स्पर्श ,भाग –3
कक्षा.4–पाठ्य पुस्तक –संवाद, भाग–3
व्याकरण –स्पर्श ,भाग –4
कक्षा.5–पाठ्य पुस्तक –उत्कर्ष भाग–5
व्याकरण –व्याकरण निधि भाग – 5